भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 85

उत्तर देने की तारीख : 03 फरवरी, 2020

बिहार की प्राचीन लोक संस्कृति का संरक्षण

85. श्री गिरिधारी यादव :
श्री कृष्ण पाल सिंह यादव :
श्रीमती रमा देवी :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों में उन प्राचीन लोक संस्कृतियों के नाम क्या हैं, जिनके संरक्षण के लिए काम किया जा रहा है और किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा क्या है तथा उन योजनाओं के नाम क्या हैं जिनके अंतर्गत उक्त कार्य किए जा रहे हैं;

(ख) इन राज्यों के उन स्थानों के नाम क्या हैं, जिनसे ये लोक संस्कृतियां जुड़ी हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश और बिहार में इन संरक्षित लोक संस्कृतियों के लिए कितनी राशि स्वीकृत या आबंटित की गई है;

(घ) इन लोक संस्कृतियों के संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त कार्य के क्या परिणाम रहे हैं?

उत्तर

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) और (ख) : देश भर में लोक, कला और संस्कृति के विभिन्न रूपों को संरक्षित, परिरक्षित और संवर्धित करने के लिए भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) की स्थापना की है, जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में स्थित हैं। ये जेडसीसी देश भर में नियमित आधार पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं जिसके लिए इन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है। इन जेडसीसी द्वारा अनेक स्कीमें यथा युवा प्रतिभावान कलाकारों को पुरस्कार, गुरु शिष्य परम्परा स्कीम, रंगमंच नवीनीकरण स्कीम, शोध और प्रलेखन स्कीम, शिल्पग्राम स्कीम, ऑक्टेव और राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (एनसीईपी) कार्यान्वित

की जा रही हैं। मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों की प्रसिद्ध प्राचीन लोक संस्कृतियों के नाम उनसे संबंधित स्थानों सहित **संलग्न (अनुलग्नक)** हैं।

(ग) : राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सीधे ही निधियां प्रदान नहीं की जाती हैं। तथापि, सभी जेडसीसी को मध्य प्रदेश और बिहार राज्य सहित उनके सदस्य राज्यों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों/कार्यक्रमों के आयोजन के लिए वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान जेडसीसी को प्रदत्त सहायता अनुदान निम्नानुसार है :

(लाख रुपए में)

क्र. सं.	वर्ष	राशि
i.	2016-17	6085.07
ii.	2017-18	4689.71
iii.	2018-19	5952.69

(घ) : उपर्युक्त भाग (क) और (ख) के उत्तर में यथा उल्लिखित।

(ङ) : इसका परिणाम है युवा पीढ़ी के बीच देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता फैलाना, प्रशिक्षण प्रदान करना, कलाकारों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना ताकि देश भर में अनेक सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए सभी जेडसीसी द्वारा शामिल किए गए कलाकारों को आजीविका के साधन भी उपलब्ध कराए जा सकें।

अनुलग्नक

बिहार की प्राचीन लोक संस्कृति का संरक्षण के संबंध में दिनांक 03 फरवरी, 2020 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 85 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

मध्य प्रदेश और बिहार राज्यों की प्रसिद्ध प्राचीन लोक संस्कृतियों के नाम उनसे संबंधित स्थानों सहित

क्र. सं.	**कला रूपों का नाम**	**स्थान**
1.	कजरी नृत्य, चौपहाडा नृत्य, लोरी कायन, चैतावथ चैथ, अल्लाह गीत (वीर गाथा), तिकुली कला, झिनझिया और पांवरिया	पटना, बिहार
2.	विद्यापथ नृत्य	अररिया, बिहार
3.	सांझा परती	दरभंगा, बिहार
4.	निर्गुण गीत और गोधना गीत	पूर्वी चम्पारण, बिहार
5.	सिक्की कला और भित्ति चित्रकला	मधुबनी, बिहार
6.	जाट-जाटिन	बक्सर, बिहार
7.	झरनी	हाजीपुर, बिहार
8.	भोजपुरी गायन	छपरा, बिहार
9.	लोक गाथा और लोक नाटक	हुल्सा, बिहार

मध्य प्रदेश

क्र. सं.	**कला रूपों का नाम**	**स्थान**
1.	बधाई, बारेड़ी, नोराता, राई और सायरा	सागर, मध्य प्रदेश
2.	गुदुम बाजा, बैगा परधोनी, गोंड कर्मा, सैला कर्मा और बैगा कर्मा	डिंडोरी, मध्य प्रदेश
3.	गेड़ी, रीना सैला, भरम, मुरिया और सैतम	छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश
4.	भगोरिया नृत्य	धार, मध्य प्रदेश
5.	मटकी, गंगौर और मालवी	उज्जैन, मध्य प्रदेश
6.	देवरी	खजुराहो, मध्य प्रदेश
7.	कटिही और कोरकु	हरदा, मध्य प्रदेश

***